Shree Guru Charan Saroj Raj Nija Manu Mukur Sudhaari Bhajans Bhakti Songs

श्री गुरु चरण सरोज राज
निज मनु मुकुर सुधारी
बरनउ रघुवर बिमल जसु
जो दायाकु फल चारी

बुधि हीन तनु जानिके
सुमिरौ पावन कुमारा
बल बुधि बिद्या देहु मोहि
हरहु कलेश बिकार

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर
जय कपिसा तिहुँ लोक उजागर
राम दोता अतुलिता बल धामा
अंजनि पुत्र पवनसुत नामा

महाबीर बिक्रम बजरंगी
कुमति निवार सुमति के संगी

कंचन बरन बिराज सुबेसा
कानन कुंडल कुंचित केसा

हाथ बाजरा और ध्वाजा बिराजै
कांधे मूनज जनेऊ साजै
शंकर सुवन केसरी नंदन
तेज प्रताप महा जग बंदन

विद्यावान गुणी अति चारुते
राउम काज करिबे को आतुर
प्रभु चरित सुनिबे को रसिया
राम लखन सीता मन बसिया

सुखमय रूप धरि सियहिं दीखावै
बिकता रूप धरि लंका जरावा
भीम रूप धरी असुर सनेहारे
रामचंद्र के काज सवारे

लया सजीवन लखना जियाये
श्री रघुवीर हरषि उर लाये
रघुपति कीन्हि बहुता बरई
तुमा मम प्रिया भरतहि सम भाई

सहस बदन तुमहारो जस गावैं
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा
नारद सारद साहित अहिसा

जामा कुबेर दिगपाल जहाँ ते
कबि कोबिदा कहि सक कान्हा ते
तम उपकार सुग्रीवहि कीन्हा

राम मिलै रजा पद दीन्हा

तुम्हारो मंत्र बिभीषन मन
लंकेश्वरा भये सब जग जाना
जुग सहस्त्र जोजना परा भानु
लील्यो ताहि मधुरा फला जानू

प्रभु मृदुका मिलि मुख माहीं
जलधि लांघि गइ अचरज नाहिं
दुर्गम काज जगत के जेते
सुगम अनुग्रहा तुम्हार ते ते

राम दुवारे तुमा राखेवारे
होत न आगाया बिनु पइसारे
सब सुख लहें तुम्हारी शारना
तम रचक कहु को दरा न

आपन तेज समाहारो आपी
तिनो लोका हन ते कानपई
भूत पिसाच निकहत नहि आवै
महाबीरा जब नाम सुनावै

नासी रोग हरे सब पीरा
जपत निरंतर हनुमत बीरा
संकट ते हनुमाना चुरवे
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै

सब पर ररराम तपस्वी रजा
तिन के काज सकल तुम साजा
और मनोरथ जो कोई लावे
सोइ अमिता जीवन फल पावे

चारो जुग पतरप तुमहारा
है परसिद्ध जगत उजियारा
साढु संत के तुम राखेवारे
असुर निकंदन रावम दुलारे

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता
अस बार दीन जानकी माता
राम रसायन तुमारे पासा
सदा रहौ रघुपति की दासा

तुमारे भजन रा को को पावे
जनम जनम के दुख बिसारवे
अन्ता काल रघुबर पुरा जै
जहँ जनमा हरि भक्त कहै

और देवता चित न धरई
हनुमत सेई सर्व सुख करई
संकटा काटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरे हनुमत बलबीरा

जय जय जय हनुमान गोसाईं
कृपा करहु गुरु देव की नैन
जो सता बर पैठ कर कोइ
छुटै बंदि महा सुख होई

जो या राधे हनुमान चालीसा
होया सिद्धि साखी गौरीसा
तुलसिदास सदा हरि चेरा
कीजै नाथ हृदय मह डेरा

पावन तनय संकट हरन

मंगल मूर्ति रूप
राम लखन सीता साहित
हृदयँ बसहु सुर भूप

Source:
https://www.bharattemples.com/shree-guru-charan-saroj-rajnija-manu-mukur-sudhaari/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw